महका भारत
जयपुर, शुक्रवार 11 जुलाई, 2008

EDITION	DATE	PAGE, NO
Jaipur	14-Mar-2014	09

बिनानी सीमेंट कम्पनी का उत्पादन बंद होने से 3,000 परिवारों का भविष्य असमंजस में

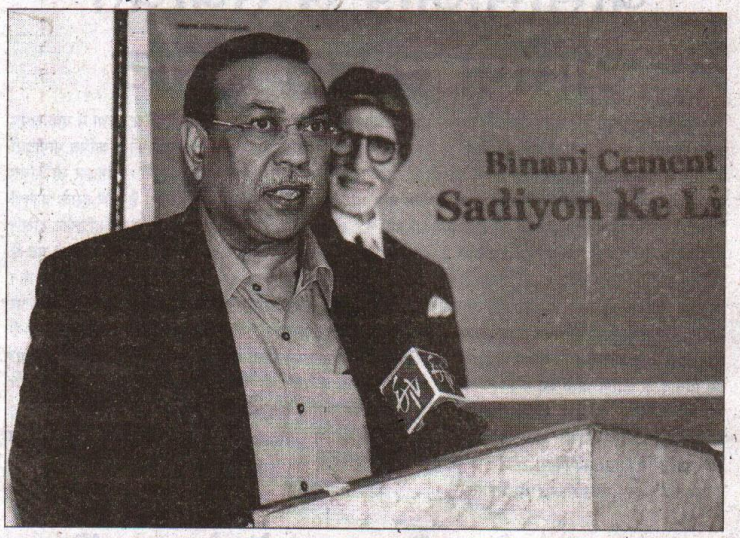

जयपुर, 13 मार्च। बिनानी सीमेंट लिमिटेड के पिण्डवाड़ा जिला-सिरोही तथा ग्राम-सिरोही तहसील-नीम का थाना, जिला-सीकर स्थित ईकाईयों में उत्पादन बंद हो जाने के कारण कम्पनी के लगभग 3000 कामगारों एवं उनके परिवारों का भविष्य अब राजस्थान सरकार पर निर्भर है। दोनों ईकाईयों के कामगार अपने दिन प्रतिदिन के व्यय को पूर्ण करने के चुनौती से जूझ रहे हैं। अत: हम राजस्थान सरकार से निवेदन करते हैं कि स्थिति मे हस्तक्षेप कर कम्पनी पर प्रत्यक्ष रूप से आधारित 3000 कामगारों एवं अप्रत्यक्ष रूप से आधारित 10,000-15,000 परिवारों की आजीविका को बचाने में मदद करें। राज्य सरकार द्वारा कम्पनी के बैंक खाते कुर्क कर दिए जाने के कारण कम्पनी अपना दिन प्रतिदिन का व्यवसाय करने में असमर्थ हैं। इस कारण कम्पनी को अपनी दोनों ईकाईयों को बंद करना पड़ा है। कम्पनी बैंक खाते कुर्क हो जाने के कारण कच्चे माल, रेल भाड़ा, सड़क भाड़ा, उत्पाद कर, वेतन एवं पारिश्रमिक तथा अन्य दायित्वों का भुगतान नहीं कर पा रही है। खराब वित्तीय स्थिति एवं कमजोर साख के कारण तथा सीमेंट क्षेत्र की खराब स्थिति के कारण कम्पनी द्वारा राज्य सरकार को व्यावहारिक प्रस्ताव दिया गया है।

कम्पनी द्वारा राजस्थान मूल्य परिवर्धित नियम 2006 के नियम 26(3) के अंतर्गत प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर राजकीय मांग को किश्तों में वसूल किये जाने की प्रार्थना की गई है। कम्पनी द्वारा दिनांक 24-2-2014 को आयुक्त वाणिज्य कर विभाग को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर 154.51 करोड़ रूपये की राशि 36 मासिक किश्तों में भुगतान किए जाने की प्रार्थना की गई। कम्पनी द्वारा इससे पूर्व फरवरी 2013 में 173 करोड़ रूपये की मांग के विरूद्ध 19.90 करोड़ रूपये की राशि जमा करवाई जा चुकी है। यदि यह व्यावहारिक प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है तो कम्पनी की दोनों ईकाईयों पर आए हुए संकट का समाधान हो सकता है। इससे स्थिति अत्यंत शीघ्र सामान्य होने की संभावना है। कम्पनी के अध्यक्ष (कम्पनी मामलात)- आर.एस. जोशी ने बताया कि कम्पनी अपने धन प्रवाह के अनुरूप राज्य सरकार की बकाया राशि का भुगतान करने का इरादा रखती है। आर.एस. जोशी के अनुसार कम्पनी का उत्पादन बंद होने से कम्पनी को 50-60 करोड़ रूपये प्रतिमाह की हानि हो रही है जो कर्मचारियों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। कम्पनी का उत्पादन बंद होने से पूर्व में 50-60 करोड़ रूपये की हानि उठा चुकी है तथा इससे कम्पनी के सीमेंट की बाजार में हिस्सेदारी भी कम हो गई है।

इस स्थिति द्वारा फरवरी 2014 में 250 रूपये प्रति बैग बिकने वाले सीमेंट का भाव मार्च 2014 में अब 310 रूपये प्रति बैग हो गया है। एक माह में सीमेंट के भावों में 24 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी ने सामान्य आदमी के साथ-साथ, आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के कार्यों को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है।

कम्पनी के बैंक खाते कुर्क करने का प्रभाव

राज्य सरकार द्वारा अवपीड़क कार्यवाही करते हुए कम्पनी के एवं कुछ डीलरों के खाते कुर्क करने के कारण कम्पनी का उत्पादन पूर्णतया बंद हो गया है। उत्पादन बंद होने को कम्पनी को अपूर्णनीय क्षति हुई है तथा कम्पनी के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। उपरोक्त क्षति का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है: -

■ वित्तीय हानि:- कुर्की की कार्यवाही के कारण की बिक्री नहीं होने तथा अन्य व्ययों के कारण चालू माह में कम्पनी को 50 करोड़ रूपये की हानि हुई है।

■ राजकोष को हानि:- कम्पनी द्वारा विभिन्न करों के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों को लगभग 650 करोड़ रूपये की राशि प्रति वर्ष कर के रूप में चुकाई जाती है। उपरोक्त अवपीड़क कार्यवाही के फलस्वरूप माह फरवरी 2014 में राजकोष को 46 करोड़ रुपये की राशि से वंचित रहना पड़ा है।

■ भारतीय रेल्वे को हानि:- कम्पनी द्वारा क्लिंकर, सीमेंट, कोयला, एवं अन्य माल के परिवहन हेतु भारतीय रेल्वे को 300 करोड़ रूपये प्रति वर्ष किराया अदा किया जाता है। अवपीड़क कार्यवाही से रेल्वे को माह फरवरी 2014 में 25 करोड रुपए की हानि हुई है।

■ सीमेंट की कीमतों में भारी उछाल:- बिनानी सीमेंट कम्पनी का उत्पादन एवं विपणन, पूर्णतया बंद हो जाने के कारण गत कुछ दिनों में सीमेंट की कीमतों में भारी उछाल आया है। सीमेंट की कीमत 60-70 रुपए प्रति बोरा बढ़ जाने से सीमेंट का उपयोग करने वालों पर लगभग 125 करोड़ रूपये का अतिरिक्त भार आया है। इन कीमतों के और बढ़ने की संभावना है। बढ़ी हुई कीमतों का भार वहन करने के लिए उपभोक्ताओं को बाध्य होना पड़ेगा।

■ श्रमिक, रोजगार समस्या एवं वेतन का भुगतान:- कम्पनी के खातों की कुर्की चलती रहने से दक्ष कामगारों का पलायन संभावित है। कामगारों के पलायन के पश्चात् दक्ष कामगारों को तलाश करना कठिन होगा। दक्ष कामगारों को रोकने के लिए कम्पनी द्वारा बाह्य स्त्रोतों से धन की व्यवस्था कर उन्हें वेतन के विरूद्ध अग्रिम का भुगतान किया गया है। जो कामगार कम्पनी पर पूर्णतया आश्रित हैं, उनमें रोजगार की अनिश्चितता के कारण बेचैनी का माहौल है। कामगारों की आजीविका भी संकट में है। कम्पनी की ईकाई आदिवासी क्षेत्र में स्थित है। श्रमिकों में असंतोष के कारण ईकाई को भारी हानि होना संभावित है। यह जन समस्या के हितों के भी खिलाफ होगा।

■ बाजार में हिस्सेदारी की हानि:- राजस्थान की कुल सीमेंट खपत के 16 प्रतिशत की आपूर्ति बिनानी सीमेंट द्वारा की जा रही है। कुर्की की कार्यवाही के कारण कम्पनी की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। एक बार हिस्सेदारी कम होने पर उसे वापिस प्राप्त करने में बहुत समय एवं श्रम की आवश्यकता होगी। यह भी संभावना है कि कम्पनी इसकी पूर्ति नहीं कर सके।

■ मजबूत डीलर नेटवर्क की क्षति:- लम्बे समय तक उत्पादन बंद रहने पर कम्पनी के स्थापित डीलर वित्तीय हानि के कारण कम्पनी से मुंह मोड़ सकते हैं। एक बार डीलरों के पलायन कर जाने पर उन्हें वापिस लाना कठिन होगा। इसके लिए कम्पनी को नये सिरे से डीलरों की तलाश करनी पड़ेगी।

■ परिवहन तंत्र पर प्रभाव:- कम्पनी से लदान बंद हो जाने के कारण ना केवल ट्रांसपोर्टर प्रभावित हुए हैं, बल्कि कम्पनी से संबंद्ध 3000 ट्रकों के ड्राइवरों एवं उनके परिवारों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

■ स्थानीय निवासियों पर प्रभाव:- सीमेंट ईकाई की स्थापना से स्थानीय लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार की प्राप्ति हुई है। इस अवपीड़क कार्यवाही से कम्पनी अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए 5000 परिवारों की आजीविका भी प्रभावित होगी।

■ ऋणों के भुगतान में चूक होने से उनके अक्रियाशीलसम्पत्ति में परिवर्तित होना:- गत कुछ सप्ताह से धन प्रवाह रूकने से कुछ बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के भुगतान में गंभीर चूक हुई है। इस चूक के कारण कम्पनी बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने में असमर्थ रहेगी। इससे कम्पनी की वित्तीय स्थिति और खराब होगी।

■ वैधानिक दायित्वों के भुगतान में चूक:- धन के अभाव के कारण कम्पनी उत्पाद कर, सेवा कर, स्त्रोत पर काटा गया आयकर, वैट एवं केन्द्रीय बिक्री कर, अन्य केन्द्रीय कर जैसे देय वैधानिक दायित्वों का भुगतान नहीं कर पाई है। इसके भारी दुष्परिणाम हो सकते हैं।

■ लेनदारों एवं विक्रेताओं के भुगतान में चूक:- निरंतर आर्थिक कठिनाईयों के कारण कम्पनी फरवरी 2014 में देनदारों व विक्रेताओं के 150 करोड रूपये से अधिक के दायित्वों का भुगतान करने में विफल रही है। इससे कम्पनी की साख मे कमी आई है। कम्पनी साख पत्रों का भी समय पर भुगतान नहीं कर पा रही है।